U.G.

Programme Outcomes & Course Outcomes

Department of Sanskrit

Government Degree College, Pabau

Pauri Garhwal

Dr. Dharmendra Singh
Asst. Prof.- Sanskrit
Department of Sanskrit
GDC Pabau

Programme outcomes (POSs):

1. साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्त्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य- समाज का दर्पण है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन से विद्यार्थी साहित्य के अध्ययन से तात्कालिक समाज एवं संस्कृति से अवगत होगा।

2. सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषा कौशल प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।

3. आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता प्राप्त होगी।

4. मूल्यपरक व्यक्तित्व से युक्त होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।

5. विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित संस्कृत साहित्य की आधार एवं अनिवार्य शिक्षा प्राप्त सकेगे।

6. विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त हो सकेगी।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG I & II Semester /Certificate cours Arts with Sanskrit

1. सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने-समझने योग्य होंगे।

2. संस्कृत साहित्य के विभिन्न विषयों यथा नीतिसाहित्य, व्याकरण, महाकाव्य, छन्द अलङ्कार एवं नाटक इत्यादि से सुपरिचित होकर संस्कृत विषय के महत्व का बोध होगा।

3. संस्कृत भाषा अध्ययन, सम्भाषण से जीविकोपार्जन के योग्य हो जायेंगे।

Programme specific outcomes (PSOs):

UG III & IV Semester /Diploma in Arts with Sanskrit

1. संस्कृतसाहित्य, भारतीय संरकृति, व्याकरण का बोध हो सकेगा।

2. श्रीमद्‌भगवद्‌गीता के अध्ययन से आत्मप्रबन्धन में कुशल होगें।

3. धर्म-दर्शन, आचार-व्यव्हार, नीतिशास्त्र के मूलतत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् मानव एवं कुशल नागरिक बनेगे।

4. संस्कृत साहित्य के अन्तर्गत प्राचीन-अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों की कृतियों में निबद्ध समसामयिक विषय का बोध होगा।

Programme specific outcomes (PSOs);

UG V & VI Semester /Bachelor of Arts with Sanskrit

1. विद्यार्थी स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप में साहित्य शास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेंगे।

2. पाठ्यकम के अन्तर्गत, उपनिषद् पुराण एवं स्तोत्रकाव्य से परिचित होगे ं।

3. स्नातक उपाधि के पाठ्यक्रम में विद्यार्थी वैदिकवाडमय एवं धर्मशास्त्र का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

4. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय ज्ञानपरम्परा के अन्तर्गत भारतीय दर्शन एवं नीतिकथाओं के आगमन से विद्यार्थी का चारित्रिक उन्नयन होगा।

5. पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्मृत्ति साहित्य का अध्ययन कर उसके महत्व से परिचित्त हो ंगे।

6. कौटिलीय अर्थशास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थी परिचित होंगे। इस प्रकार धर्म -दर्शन, आचार-व्यवहार नीतिशास्त्र के मूल तत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे। प्रस्तावित विषय संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं एवं वैदिक वाङ्मय पर आधारित विषय पर लघु शोध कार्य से विद्यार्थियों की शोधपरक बुद्धि का विकास होगा। सर्वेक्षण, अन्वेषण एवं मनन-चिन्तन से उनका बौद्धिक स्तर बढेगा साथ ही समसामयिक समस्या के निदान का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

CERTIFICATE COURSE IN UG

स्नातक कला वर्ग (प्रथम सत्रार्द्ध)

संस्कृत नीति साहित्य एवं व्याकरण

1. विद्यार्थी संस्कृत नीति साहित्य से परिचित हो होंगे।

2. संस्कृत नीतिसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।

3. नीति साहित्य में प्रयुक्त नैतिक शिक्षा का बोध कर सकेंगे।

4. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

5. संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।

6. स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।

7. स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

CERTIFICATE COURSE IN UG

स्नातक कला वर्ग प्रथम/द्वितीय सत्रार्द्ध (माइनर इलेक्टिव)

संस्कृत भाषा अध्ययन

1. संस्कृतभाषा का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में व्याकरण के प्रति रुचि उत्पन्न हो सकेंगी।

2. संस्कृतभाषा को स्नातक कलावर्ग के अतिरिक्त वाणिज्य एवं विज्ञानवर्ग के विद्यार्थी भी पढ़ सकते हैं।

3. संस्कृतभाषा के ज्ञान से नैतिकमूल्यों, आध्यात्मिकमूल्यों से युक्त ग्रन्थों के अध्ययन में सुगमता प्राप्त होगी। मूल्यपरक ग्रन्थों के बोध से अपने जीवन का लक्ष्य पूर्ण करने में समर्थ होगें।

4. संस्कृतभाषा के अध्ययन से विद्यार्थी अन्य भाषा के स्रोत को सरलता से समझ सकते हैं।

5. संस्कृतसम्भाषण से विद्यार्थियों की वाक्शक्ति का विकास होगा।

CERTIFICATE COURSE IN UG

स्नातक कला वर्ग द्वितीय सत्रार्द्ध

संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य को विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।

2. संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात करेंगे।

3. विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्य में प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।

4. संस्कृत महाकाव्यों में निहित सूक्तियों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होगा।

5. संस्कृत नाटक के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।

6. नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।

DIPLOMA COURSE IN UG

स्नातक कला वर्ग तृतीय सत्रार्द्ध

संस्कृत साहित्य, भारतीय संस्कृति एवं व्याकरण

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।

2. भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।

3. भारतीय सांस्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेगें।

4. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

DIPLOMA COURSE IN UG

स्नातक कला वर्ग तृतीय/ चतुर्थ सत्रार्द्ध (माइनर इलेक्टिव)

श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन

1. विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे।

2. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से कर्मसिद्धान्त एवं अध्यात्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

3. मानवजीवन में ज्ञान के महत्त्व क ो आत्मसात करने में सक्षम होंगे।

4. विद्यार्थी आत्मप्रबन्धन के क्षेत्र में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

DIPLOMA COURSE IN UG

स्नातक कला वर्ग चतुर्थ सत्रार्द्ध

संस्कृत साहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर पद्यसाहित्य एवं गद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे।

2. सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से पद्यसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।

३. सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।

4. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।

5. विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता क ा विकास होगा।

DEGREE COURSE IN UG

स्नातक कला वर्ग पञ्चम सत्रार्द्ध (प्रथम प्रश्नपत्र)

काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण

1.विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।

2. भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।

3. दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।

4. व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।

DEGREE COURSE IN UG

स्नातक कला वर्ग पञ्चम सत्रार्द्ध (द्वितीय प्रश्नपत्र)

उपनिषद, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य

1.उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं निहित उपदेशों का अवबोध होगा।

2. पुराणों के परिचय से सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।

3. स्तोत्र काव्य के परिचय से कल्याण परक तथ्यों से परिचित होकर आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।

4.स्तोत्र काव्य के रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

DEGREE COURSE IN UG

स्नातक कला वर्ग पञ्चम सत्रार्द्ध (प्रोजेक्ट)

सस्कृत साहित्य की विविध विधाओं पर लघु शोध कार्य

1. विद्यार्थी लघुशोधात्मक अध्ययन एवं कार्य के माध्यन से संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं से परिचित होगें।

2. संस्कृत साहित्य के प्रसार के लिए संस्कृत साहित्य अध्ययन सहायक होगा।

3. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के अध्ययन के माध्यम से शोध कार्य में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे।

DEGREE COURSE IN UG

स्नातक कला वर्ग षष्ट सत्रार्द्ध (प्रथम प्रश्नपत्र)

वैदिकवाङ्मय

1. वैदिकवाङ्ग्मय संस्कृत की समृद्ध परम्परा को समझने में पर्याप्त सहायक होगा।

2. वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।

3. वैदिक सूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन अध्यात्म, समाज एवं राष्ट्र का दिग्दर्शन होगा।

4. वेदाङ्ग के सम्यक्बोध से सर्वकल्याणार्थ उनका उपयोग करेगें।

DEGREE COURSE IN UG

स्नातक कला वर्ग षष्ट सत्रार्द्ध (द्वितीय प्रश्नपत्र)

धर्मशास्त्र : स्मृतियाँ एवं अर्थशास्त्र

1. स्मृति साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

2. मनुस्मृति के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं संस्कार का अवबोध कर सकेंगे।

3. याज्ञवल्क्य स्मृति के अध्ययन से आचार एवं व्यवहार का सम्यक् ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

4. कौटिलीय अर्थशास्त्र के अध्ययन से राज्यव्यवस्था, कृषि, न्याय एवं राजनीति आदि के मूलभूत सिद्धान्तों का अवबोध कर सकेंगे।

DEGREE COURSE IN UG

स्नातक कला वर्ग षष्ट सत्रार्द्ध (प्रजेक्ट)

वैदिक वाङ्मय पर आधारित लघु शोधकार्य

1. विद्यार्थी लघुशोधकार्य के माध्यम से शोधप्रविधि से सुपरिचित होंगे।

2. वैदिक वाङ्मय के विविध ग्रन्थों से परिचित होगे।

3. वेद, वैदिक संहिता, ब्राह्मण ग्रन्ध, आरण्यक ग्रन्थ, उपनिषद्, वेदाङ्ग एवं वैदिक साहित्य की पृष्ठभूमि में रचित ग्रन्थों से सुपरिचित होंगे।

4. लघुशोधकार्य के पश्चाद् बृहद्शोधकार्य के प्रति उत्साहित होंगे।

5. शोध सर्वेक्षण के माध्यम से अन्य विषयों में शोधकार्य की सम्भावनाओं से अवगत होंगे।